वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना कक्षा-IX (2023-2024)
विषय: सामाजिक विज्ञान
(सी.बी.एस.ई. विषय कोड-087)

क्रम	पुस्तक	अंक
I	भारत एवं समकालीन विश्व-।	20
-II	समकालीन भारत-।	20
III	लोकतांत्रिक राजनीति-।	20
IV	अर्थशास्त्र	20
योग		**80**
आतंरिक मूल्यांकन		**20**
पूर्णांक		**100**

सत्रवार पाठ्य विवरण

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	सुझावात्मक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-1: फ्रांसीसी क्रांति**	• भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम (1857) की पूर्वकालिक परिस्थितियों की तुलना फ्रांस में प्रचलित उन स्थितियों के साथ कर सकेंगे जिनके कारण क्रांति संभव हुई । • फ्रांस में आम लोगों के मतदान के अधिकार की आवश्यकता का आलोचनात्मक परीक्षण कर सकेंगे जिसने भविष्य के लोकतंत्र की नींव रखी। • क्रांति की ओर ले जाने वाले असंतुलनों को दूर करने के लिए विभिन्न समाधानों की कर सकेंगे।	• फ्रांस में व्याप्त परिस्थितियों की प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान व्याप्त परिस्थितियों के साथ तुलनात्मक अध्ययन के लिए कक्षा-कक्ष में चर्चा का आयोजन। • उन परिस्थितियों की आलोचनात्मक परख जो निष्क्रिय नागरिकों के साथ-साथ महिलाओं द्वारा मतदान के अधिकार की मांग में वृद्धि करती हैं का चित्रों द्वारा प्रदर्शन। • क्रांति की ओर ले जाने वाले असंतुलनों एवं भेदभावों को दूर करने एवं इसके समाधान को प्रस्तावित करने के लिए वाद-विवाद का आयोजन। • दुनिया पर फ्रांसीसी क्रांति के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए पूछताछ आधारित शिक्षा एवं समूह प्रस्तुतियों के साथ निष्कर्ष निकालना।	• भारतीय स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम (1857) के समय की स्थिति का फ्रांस में प्रचलित उन स्थितियों के साथ तुलना करते हैं जिनके कारण क्रांति संभव हुई। • उन स्थितियों का समालोचनात्मक परीक्षण करते हैं जिनके कारण निष्क्रिय नागरिकों और महिलाओं द्वारा मतदान के अधिकार की माँग में तेज़ी आई। • क्रांति की ओर ले जाने वाले ऐसे असंतुलनों और भेदभावों को दूर करने के लिए समाधान प्रस्तुत करते हैं। • फ्रांसीसी क्रांति के वैश्विक प्रभाव का मूल्यांकन करते हैं।

भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-5: आधुनिक विश्व में चरवाहे (केवल आवधिक परीक्षा में आकलन हेतु)**	• उन परिस्थितियों का विश्लेषण कर सकेंगे जिन्होंने खानाबदोश समाज का निर्माण किया है। • औपनिवेशिक शासन के दौरान अफ्रीकी चरवाहों और भारतीय घुमंतू चरवाहों की तुलना कर सकेंगे। • कर सकेंगे कि औपनिवेशिक कानूनों ने घुमंतू समुदायों में आजीविका को कैसे प्रभावित किया। • आधुनिक अर्थव्यवस्था में चरवाहों के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।	• उपनिवेशवाद के पूर्व और उसके बाद घुमंतू चरवाहों के जीवन की तुलना और अन्तर करने के लिए टी चार्ट और इसी तरह के ग्राफिक आयोजक। • कला एकीकरण के माध्यम से खानाबदोश समाज के विकास का चित्रण। • भारत के घुमंतु-चरवाहों की गरीबी के कारणों और अफ्रीकी खानाबदोश जनजातियों के जीवन की तुलना और अंतर करने के लिए प्रदान किए गए संसाधनों का उपयोग करते हुए अनुसंधान आधारित प्रस्तुतिकरण। • सोचो-जोड़ी बनाओ-साझा करो विधि द्वारा भारत में विभिन्न स्थानों में चरवाहा समुदायों के विकास के अलग-अलग आयामों का विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालने के लिए संसाधनों के अध्ययन को साझा और सारांशित करना ।	• उपनिवेशवाद से पहले एवं बाद के समय में चरवाहों के जीवन की तुलना करते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं। • घुमंतू समाज का निर्माण करने वाली स्थितियों का विश्लेषण करते हैं। • अफ्रीकी घुमंतु-चरवाहा जनजातियों के जीवन एवं भारत के घुमंतु-चरवाहा समूहों के जीवन और गरीबी के कारणों की तुलना कर अंतर स्पष्ट करते हैं। • भारत के विभिन्न स्थानों पर स्थित चरवाहा समुदायों के भीतर विकास के विभिन्न पैटर्न का विश्लेषण करते हैं एवं निष्कर्ष निकालते हैं। • वैज्ञानिक वानिकी के लिए अग्रणी वन्य समाजों पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। • आधुनिक विश्व में आजीविका में होने वाले परिवर्तनों के कारणों के पीछे की विभिन्न प्रक्रियाओं को बताते हैं।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-1: लोकतंत्र क्या?, लोकतंत्र क्यों?**	• विभिन्न देशों में लोकतंत्र की अवधारणा/ संरचनात्मक घटकों और इसके रूपों/ विशेषताओं की कर सकेंगे । • भारत और उत्तर कोरिया की सरकारों की कार्य संरचना का परीक्षण एवं विश्लेषण कर सकेंगे । • लोकतंत्र को बढ़ावा देने में विभिन्न ऐतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाल सकेंगे।	• लोकतंत्र की अवधारणाओं और लोकतंत्र की विशेषताओं की शुरूआत के लिए विश्व कैफे वार्तालाप रणनीतियों का उपयोग। • "फॉर कॉर्नर" गतिविधि के माध्यम से "लोकतंत्र क्या और क्यों" पर चर्चा। • छात्र कक्षा में लोकतांत्रिक शासन मॉडल बनाते हैं। • लोकतंत्र के लाभों को सारांशित करने के लिए कार्टून द्वारा व्याख्या।	• भारत और उत्तर कोरिया के लोकतंत्रों की कार्यप्रणाली की तुलना और अन्तर करते हैं और प्रत्येक देश में उनके अंतर और महत्व का अनुमान लगाते है। • लोकतंत्र को परिभाषित कीजिए और इसकी विशेषताओं का विश्लेषण करते हैं। • भारत ओर ईरान के नागरिकों को प्राप्त मतदान के अधिकार की वैधता का परीक्षण करते हैं। • भारत के संदर्भ में "लोकतंत्र मतभेदों और संघर्षों से निपटने के लिए एक तरीका प्रदान करता है" कथन की व्याख्या करते हैं। • लोकतंत्र की विशेषताओं और लाभों का संक्षेप में वर्णन करते हैं।

लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-2: संविधान निर्माण**	• संविधान के उद्देश्य को समझ सकेंगे। • किसी भी संविधान का मसौदा तैयार करते समय ध्यान में रखी जाने वाली आवश्यक विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे। • भारतीय संविधान को बनाने वाले मार्गदर्शक सिद्धांतों की परख कर सकेंगे। • भारत के नागरिकों के रूप में भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की समझ विकसित कर सकेंगे।	• संविधान के उद्देश्य को समझने के लिए समूह चर्चा। • भारतीय संविधान की प्रस्तावना के साथ दक्षिण अफ्रीकी संविधान की प्रस्तावना के तुलनात्मक अध्ययन के लिए पोस्टर। • भारतीय संविधान के निर्माण के लिए रोल प्ले गतिविधि का उपयोग। • नागरिकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए संभाषण गतिविधि।	• भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के संदर्भ में लिखित या अलिखित संविधानों के बीच अंतर का विश्लेषण करते हैं। • उस स्थितियों का वर्णन करते हैं जिसके कारण भारतीय संविधान का निर्माण हुआ। • भारतीय संविधान की प्रस्तावना के साथ दक्षिण अफ्रीका के संविधान की प्रस्तावना की तुलना और अन्तर स्थापित करते हैं। • भारत के नागरिक के रूप में भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का वर्णन करते हैं।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-1: भारत- आकार और स्थिति**	• देशांतर और अक्षांश के संदर्भ में कर सकेंगे कि किसी क्षेत्र का स्थान उसकी जलवायु और समय को कैसे प्रभावित करता है। • अपने पड़ोसी देशों के साथ भारत के व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का अन्वेषण और विश्लेषण कर सकेंगे। • उस स्थिति और कारणों का मूल्यांकन कर सकेंगे जिसने 82.5E* देशांतर को भारत का प्रमुख याम्योत्तर बनाया। • "भारत की अवस्थिति उपमहाद्वीप में उसे किस प्रकार महत्वपूर्ण भागीदार बनती है" कथन का विश्लेषण कर सकेंगे।	• जलवायु परिस्थितियों, स्थानीय और मानक समय में अंतर के कारणों का प्रतिनिधित्व करने और उन्हें सही ठहराने के लिए जियोजेब्रा, गूगल अर्थ का उपयोग। • पड़ोसी देशों के साथ सीमा साझा करने वाले राज्यों में रहने वाले लोगों की स्थितियों और संबंधों का उनके व्यापार और संस्कृति पर किस प्रकार प्रभाव होता है । "करसॉल ब्रैन्स्टॉर्मिंग" रणनीति द्वारा उल्लेख। **(हिंडोला ब्रेन स्टॉर्मिंग रणनीति के लिए लिंक https://www.youtube.com/watch?v=zZxaS7v1-jo)** **अथवा** • भारत के मानचित्र पर 82.5°E के दोनों ओर काल्पनिक रूप से दो से चार वैकल्पिक देशांतर डिजाइन बनाना और चयन का आधार बताना। • भारत के लिए 82.5°E को मानक रेखा के रूप में निर्धारित करने के पीछे	• विभिन्न जलवायु परिस्थितियों तथा स्थानीय और मानक समय में अंतर के न्यायसंगत कारण बताते हैं। • पड़ोसी देशों के साथ सीमा साझा करने वाले राज्यों में रहने वाले लोगों की स्थिति और संबंध, व्यापार और संस्कृति को कैसे प्रभावित करते हैं, अनुमान लगाते हैं। • भारत के समय याम्योत्तर के रूप में 82.5°E देशांतर के चयन का औचित्य सिद्ध करते हैं। (IST) • विदेशी व्यापार के सुधार में स्वेज नहर के खुलने की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हैं। • आकार और स्थान के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं के लिए वैकल्पिक समाधान प्रस्तावित करते हैं।

			तर्क/कारणों को ढूँढना। • वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत करने के लिए पीपीटी प्रस्तुति।	
समकालीन भारत-1	**अध्याय-2: भारत का भौतिक स्वरुप**	• भारत एक उपमहाद्वीप है। औचित्य सिद्ध कर सकेंगे। • उस भूवैज्ञानिक प्रक्रिया का परीक्षण कर सकेंगे जिसने भारत में विविध भौतिक विशेषताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। • विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की परिस्थितियों और संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे। • विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों की कर सकेंगे।	• भौतिक विशेषताएं भारत को किस प्रकार एक उपमहाद्वीप बनाती हैं। यह प्रदर्शित करने के लिए गैलरी वॉक/मॉडल मेकिंग जैसी कला एकीकृत रणनीतियों का उपयोग। • भौगोलिक क्षेत्रों के बीच जीवन और संबंधों को चित्रित करने के लिए रोल प्ले। • फ़्लिप पुस्तकों, पत्रिकाओं, कोलाज और अन्य उपयुक्त प्रस्तुतियों जैसे विभिन्न तरीकों का उपयोग करके सहयोगात्मक विचार-मंथन और प्रस्तुति।	• विभिन्न भौतिक विशेषताओं के अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं कि भारत एक उपमहाद्वीप क्यों है। • विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की स्थितियों और संबंधों का विश्लेषण करते हैं। • भारत में विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों का वर्णन कर मुद्दों के लिए समाधान प्रस्तावित करते हैं।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-3: अपवाह**	• भारत के सन्दर्भ में इस कथन की पुष्टि कर सकेंगे कि नदियाँ अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा हैं। • विभिन्न झीलों की जानकारी की कर सकेंगे और भारतीय पारिस्थितिकी में उनके योगदान का अनुमान लगाएं। • उत्तर भारत और दक्षिण भारत की नदियों के बीच अन्तर स्पष्ट कर सकेंगे।	• च्वाइस बोर्ड की गतिविधि जहां प्रत्येक समूह को एक नदी का चयन कर संबंधित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना है जहां वे सेवा प्रदान करती हैं और उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालती हैं। • छात्र झीलों पर पीपीटी तैयार करेंगे। • नुक्कड़ नाटक/ पोस्टर बनाना/ नदी बचाओ गीत रचना/ जल प्रदूषण पर जागरूकता प्रस्तुत करना और समाधान सुझाना।	• विभिन्न नदियों को सूचीबद्ध करते हैं, और जिन क्षेत्रों में वे बहती हैं उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। • विभिन्न झीलों को सूचीबद्ध कर भारतीय पारिस्थितिकी में उनके योगदान का वर्णन करते हैं। • भारतीय अर्थव्यवस्था में जल निकायों के योगदान को बढ़ाने और जल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए रचनात्मक समाधान प्रस्तुत करते हैं। • देश की नदी प्रणालियों की पहचान करते हैं और मानव समाज में नदियों की भूमिका की व्याख्या करते हैं।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-1: पालमपुर गाँव की कहानी (केवल आवधिक परीक्षा में आकलन हेतु)**	• विभिन्न राज्यों में प्रचलित कृषि स्थितियों का मूल्यांकन कारणों के साथ कर सकेंगे। • उत्पादन के कारकों और उनकी परस्पर निर्भरता की आवश्यकताओं की कर सकेंगे। • गांव के आर्थिक विकास में गैर-कृषि गतिविधियों के योगदान	• एक नजदीकी गांव का दौरा कर एक किसान का साक्षात्कार लेना/ स्थानीय बाजारों का दौरा करना और दुकानदार का साक्षात्कार लेना और इसे कक्षा में प्रस्तुत करना। (अनुभवात्मक सीखने की गतिविधि) • उत्पादन की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध करने और इन आवश्यकताओं की परस्पर निर्भरता को सारांशित करने	• विश्लेषण करते हैं कि प्रचलित कृषि स्थितियां विभिन्न राज्यों के आर्थिक विकास को कैसे प्रभावित करती हैं। • उत्पादन की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध करते हैं और इन आवश्यकताओं की परस्पर निर्भरता को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं। • गैर-कृषि गतिविधियों को सूचीबद्ध कर आर्थिक विकास के साथ इसके संबंध को

		की कर सकेंगे।	के लिए पोस्टर बनाना / अवधारणा मानचित्र और गैलरी वॉक। • उत्पादन के चार कारकों का उपयोग करके गैर-कृषि गतिविधियों के लिए एक व्यवसाय योजना प्रस्तुत करना।	चित्रित करते हैं।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-2: संसाधन के रूप में लोग**	• जनसंख्या की गुणवत्ता का गठन करने वाले विभिन्न कारकों की कर सकेंगे। • जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार करने में सरकार की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे। • बेरोजगारी में योगदान देने वाले कारकों की कर सकेंगे।	• जनसंख्या की गुणवत्ता पर केस स्टडी। (कक्षा कक्ष चर्चा) • समाचार पत्र/मीडिया से स्रोत एकत्र कीजिए और निष्कर्षों को कोलाज या एल्बम के रूप में प्रस्तुत करना। • पड़ोस में रोजगार की क्षमता / पड़ोस में रोजगार पर सर्वेक्षण,पड़ोस की गुणवत्ता का विश्लेषण करना और पीपीटी प्रारूप में प्रदर्शित करना।	• जनसंख्या की गुणवत्ता में योगदान देने वाले कारणों का अनुमान लगाते हैं एवं विश्लेषण करते हैं। • कुछ राज्यों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को सूचीबद्ध कर लोगों की गुणवत्ता पर उन योजनाओं के प्रभाव का अनुमान लगाते हैं। • बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए समाधान प्रस्तावित करते हैं।

नोट:

- **उपरोक्त पाठ्यविषय 15 सितंबर 2023 तक पूर्ण करवा लिया जाना चाहिए।**
- **अर्धवार्षिक परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति**।

अर्धवार्षिक परीक्षा

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	सुझावात्मक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-2: यूरोप में राष्ट्रवाद एवं रूसी क्रांति**	• रूसी एवं फ्रांसीसी क्रांतियों के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का विश्लेषण कर सकेंगे। • लेनिन के साम्यवाद और मार्क्सवादी समाजवाद के उदय के कारणों का मूल्यांकन कर सकेंगे ।	• रूसी एवं फ्रांसीसी क्रांतियों की ओर ले जाने वाली स्थितियों की तुलना और अंतर स्थापित करने के लिए **परस्पर संवादात्मक पाठ्य व्याख्या का आयोजन।** • आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने में दार्शनिकों और नेताओं द्वारा प्रदान किए गए सहयोग और संचार के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए **छात्र संगोष्ठी का आयोजन।** • लेनिन के साम्यवाद को सक्षम करने वाली स्थितियों का मूल्यांकन करने के लिए **विश्व कैफे की रणनीति** का उपयोग।	• रूसी एवं फ्रांसीसी क्रांतियों के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों के बीच तुलना और अंतर करते हैं। • आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने में दार्शनिकों और नेताओं द्वारा दिए गए सहयोग और विचारों के प्रभाव का उल्लेख करते हैं। • उन स्थितियों का मूल्यांकन करते हैं जिसने लेनिन के साम्यवाद को संभव बनाया। • क्रांति को आकार देने वाले दार्शनिकों और

			• क्रांति को आकार देने वाले दार्शनिकों और नेताओं के विभिन्न विचारों की व्याख्या करने के लिए **सुकरात की चर्चा विधि का उपयोग**।	नेताओं के विभिन्न विचारों की व्याख्या करते हैं।
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-3: नात्सीवाद एवं हिटलर का उदय**	• किसी व्यक्ति विशेष द्वारा परिस्थितियों मे हेर फेर से किए गए नियंत्रण का विश्लेषण कर सकेंगे। • हिटलर के उदय में "वर्साय की संधि" की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे। • हिटलर के उत्थान एवं पतन के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का परीक्षण कर सकेंगे। • आधुनिक विश्व की राजनीति को आकार देने में नात्सीवाद के महत्व पर चर्चा कर सकेंगे। • "वर्साय की संधि के कारण थोपे गये युद्ध मुआवजे का हिटलर के उदय में भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे। • नात्सी विचारधारा की तुलना मुसोलिनी के फासीवाद से कर सकेंगे।	• एडॉल्फ हिटलर के अंतिम दिनों से सम्बंधित **वीडियो क्लिपिंग देखिए** और हिटलर के उत्थान और पतन के कारणों पर चर्चा करना। • यहूदियों के खिलाफ नाजी प्रचार / नस्लीय भेदभाव पर आधारित **नाटक का मंचन** करना। • **कार्टून की व्याख्या**/ छवि-चित्र की व्याख्या। • "ऐनी फ्रैंक की डायरी" और अन्य संबंधित साहित्य से उद्धरण पढ़िए एवं नाजीवाद के प्रभाव पर चर्चा। • जिग-सॉ विधि से नाजियों के द्वारा यहूदियों के खिलाफ छेड़े गए नरसंहार की आलोचनात्मक समीक्षा।	• उन घटनाओं का उल्लेख करते हैं जिसने हिटलर के सत्ता में आने में मदद की। • हिटलर के विभिन्न चारित्रिक लक्षणों का मूल्यांकन करते हैं। • बिस्मार्क और हिटलर की विशेषताओं की तुलना करते हैं। • नाजीवाद और हिटलर के उदय में "वर्साय की संधि" की भूमिका का विश्लेषण करते हैं। • नाजियों द्वारा यहूदियों के खिलाफ छेड़े गए नरसंहार की आलोचना कीजिए। • आधुनिक विश्व की राजनीति को आकार देने में नाजीवाद के महत्व पर चर्चा करते हैं।
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-4: वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद**	• भूगोल के अध्याय 5: "**प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन**" के साथ अंतर्विषयी परियोजना	• अनुलग्नक ॥ देखिए।	• अनुलग्नक ॥ देखिए।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-3: चुनावी राजनीति**	• चुनाव की अवधारणा और प्रणाली को समझ सकेंगे एवं विभिन्न देशों में इसकी विशेषताओं की जानकारी एकत्र कर सकेंगे। • उन परिस्थितियों का मूल्यांकन कर सकेंगे जो भारत में चुनावों को लोकतांत्रिक बनाती हैं। • वोट की शक्ति और वापस बुलाने की शक्ति के निहितार्थों का विश्लेषण कर सकेंगे। • स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।	• रोल प्ले / स्कूल काउंसिल के चुनाव आयोजित करना। • चुनावी घोषणापत्र की तैयारी और प्रस्तुतिकरण। • अनेक पार्टियों के चुनाव चिन्हों का निर्माण। • मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रयोग।	• चुनावी वादों को पूरा करने के लिए राजनीतिक दलों की भूमिका का मूल्यांकन करते हैं। • चुनाव में कदाचार के उन्मूलन के लिए एक समाधान बताते हैं। • प्रतिनिधि लोकतंत्र और प्रतिस्पर्धी दलगत राजनीति के बीच अंतर स्पष्ट करते हैं। • भारतीय चुनाव प्रणाली की आवश्यक विशेषताओं का सारांश प्रस्तुत करते हैं। • वर्तमान भारतीय चुनाव प्रणाली को अपनाने के

				औचित्य का परीक्षण करते हैं।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-4: संस्थाओं के कामकाज**	• सरकार के सभी तीनों अंगों की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परस्पर निर्भरता का परीक्षण कर सकेंगे। • भारत में कानून के शासन और इसकी प्रासंगिकता की परख कर सकेंगे। • भारतीय न्यायपालिका की शक्ति और कार्यप्रणाली और भारत में न्यायपालिका की पदानुक्रम प्रणाली को समझ सकेंगे।	• संसद के वीडियो देखें और प्रश्नकाल के महत्व पर चर्चा। • कानून के शासन का मूल्यांकन करने के लिए मूट कोर्ट पेश करना। • कानून के शासन का मूल्यांकन करने के लिए प्रासंगिक मामले की परख। • किसी विधेयक को कानून में बदलने के लिए मॉक पार्लियामेंट सेशन पेश करना। • एक सांसद के साथ एक मॉक- साक्षात्कार आयोजित करना। • राजनीतिक और स्थायी कार्यपालिका की विशेषताओं का रोल-प्ले।	• विश्लेषण कर निष्कर्ष निकाले हैं कि सरकार तीनों अंग अपनी भूमिकाओं को निष्पादित करने के लिए अन्योन्याश्रित और स्वतंत्र किस प्रकार हैं। • भारत में कानून के शासन का सारांश और मूल्यांकन करते हैं। संसद और इसकी प्रक्रियाओं की भूमिका का प्रतिनिधित्व करते हैं। • राजनीतिक और स्थायी कार्यकारी अधिकारियों और कार्यों के बीच अंतर करते हैं। • विधायिका के प्रति कार्यपालिका की जवाबदेही की संसदीय प्रणाली को समझते हैं। • भारतीय न्यायपालिका के कामकाज को समझते हैं।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-5: लोकतांत्रिक अधिकार**	• अपने अधिकारों एवं दायित्वों का निर्वहन करतें समय एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका को समझ सकेंगे । • लोकतंत्र में अधिकारों की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।	• अधिकारों की आवश्यकता और कर्तव्यों के पालन के महत्व पर उद्घोषणा। • सऊदी अरब के अध्ययन के आलोक में अधिकारों की आवश्यकता पर बहस। • अधिकारों का प्रयोग या अन्यथा होने पर नागरिकों की भूमिका का विश्लेषण करने के लिए केस स्टडी। • "सिक्स थिंकिंग हैट" गतिविधि के माध्यम से समसामयिक मुद्दों पर चर्चा। • व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन पर चर्चा करने के लिए एक मूट कोर्ट का आयोजन। • अधिकारों बनाम कर्तव्यों के सह-अस्तित्व को सारांशित करने के लिए ग्राफिक आयोजक।	• अधिकारों की आवश्यकताओं एवं उनके वर्गीकरणों का विश्लेषण करते हैं। • "अधिकारों के बिना लोकतंत्र अर्थहीन है" कथन का मूल्यांकन करते हैं। • जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका का विश्लेषण करते हैं। • अधिकारों बनाम कर्तव्यों के फ़्लिप सह-अस्तित्व को सारांशित करते हैं। • अधिकारों की सुरक्षा के लिए नागरिकों को उपलब्ध प्रक्रिया को लागू करते हैं।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-4: जलवायु**	• उन कारकों का विश्लेषण और परख कर सकेंगे जो	• मौसम की रिपोर्ट एकत्र करना और पढ़ना और	• अनुमान लगाएं कि विभिन्न कारक भारत की

		भारत की जलवायु को निर्धारित करते हैं। • भारतीय उपमहाद्वीप में मानसून के तंत्र पर चर्चा कर सकेंगे। • भारत के विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर दिन और रात के तापमान के बीच व्यापक अंतर के कारणों का विश्लेषण और अनुमान लगा सकेंगे। • यह व्याख्या कर सकेंगे कि मानसून एक एकीकृत बंधन के रूप में कैसे कार्य करता है।	जलवायु को नियंत्रित करने वाले कारकों के बारे में निष्कर्ष निकालने के लिए कक्षा में चर्चा करना/ वीडियो देखना और निष्कर्षों को सारांशित करना। • भारत के विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर दिन और रात के तापमान के बीच व्यापक अंतर के कारणों को गिनने और सारांशित करने के लिए माइंड मैप/ग्राफिक आयोजकों का उपयोग, समाचार पत्र पढ़ना, विभिन्न आपदाओं के लिए निवारक कार्रवाई के रूप में प्रोटोकॉल पर मॉक ड्रिल तैयार करना और प्रस्तुत करना।	जलवायु को कैसे निर्धारित करते हैं। • भारतीय उपमहाद्वीप की वर्षा पर मानसूनी हवाओं के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। • पठारी क्षेत्र, हिमालयी क्षेत्र, रेगिस्तानी क्षेत्र और तटीय क्षेत्र के बीच के तापमान का विश्लेषण करते हैं। • भारत के विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर तापमान के बीच व्यापक अंतर के कारणों की गणना और सारांशित करते हैं। • विभिन्न आपदाओं के लिए निवारक कार्रवाई के रूप में प्रोटोकॉल प्रस्तावित करते हैं।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी (केवल मानचित्र कार्य हेतु)**	• इतिहास के अध्याय संख्या-4: **वन्य समाज एवम उपनिवेशवाद** के साथ अंत:विषय परियोजना।	• द्वितीय अनुलग्नक देखें।	• द्वितीय अनुलग्नक देखें।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-6; जनसंख्या**	• यूपी, राजस्थान, मिजोरम और कर्नाटक की विशिष्टता के साथ भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के कारणों का परीक्षण कर सकेंगे।	• यूपी, राजस्थान, मिजोरम और कर्नाटक की विशिष्टता के साथ भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के पीछे के कारणों का विश्लेषण और अनुमान लगाने के लिए अनुसंधान आधारित शिक्षा / कला एकीकरण रणनीति (फॉर ग्रिड विश्लेषण)	• यूपी, राजस्थान, मिजोरम और कर्नाटक की विशिष्टता के साथ भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के पीछे के कारणों का विश्लेषण करते हैं। • जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करते हैं।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-3: निर्धनता: एक चुनौती**	• गरीबी, ग्रामीण और शहरी परिस्थितियों में निहित एक बहुआयामी अवधारणा है। समझ विकसित कर सकेंगे। • गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का परीक्षण के सकेंगे।	• ग्रामीण और शहरी गरीबी के कारण पर जो एनसीईआरटी पाठ में दिए गए हैं ,केस स्टडी का उपयोग करते हुए पीपीटी प्रस्तुति। • गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए तथ्यों के साथ घोषणा।	• ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीबी के कारणों का विश्लेषण करते हैं। • गरीबी उन्मूलन के लिए सरकार की क्षमता का मूल्यांकन करते हैं। • तुलना करते हैं कि 1993-94 से 2011-12 तक गरीबी के

			• क्या शिक्षा गरीबी को दूर कर सकती है। चर्चा आयोजित करना।	आकलन किस प्रकार बदल गए हैं। शिक्षा और गरीबी के बीच के संबंध का परीक्षण करते हैं।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-4: भारत में खाद्य सुरक्षा**	• खाद्य सुरक्षा की जनता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का परीक्षण कर सकेंगे। • भारत में खाद्य सुरक्षा की व्यवस्था के लिए तार्किक रूप से पुष्टि कर सकेंगे । • सार्वजनिक वितरण प्रणाली की अंशदायी भूमिका की एफ.एस.आई (FSI) को संबोधित करने के लिए मूल्यांकन कर सकेंगे। • पीडीएस को मजबूत करने में हरित क्रांति की भूमिका को प्रमाणित कर सकेंगे।	• एक अच्छी तरह से संरचित खाद्य सुरक्षा प्रणाली और जनता को आपूर्ति की निरंतरता के बीच संबंध को साबित करने के लिए केस स्टडी और समूह चर्चा। • एफ.एस.आई (FSI) और पी. डी.एस (PDS) पर बोलने के लिए उपर्युक्त सरकारी कर्मचारी को आमंत्रित कीजिए। • हरित क्रांति और पीडीएस के प्रभाव पर पैनल चर्चा/संगोष्ठी।	• खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की गणना करते हैं जो जनता को आपूर्ति की निरंतरता सुनिश्चित करेंगे। • एफएसआई के तार्किक आधार की ओर इशारा करने वाले आंकड़ों के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण करते हैं। • पीडीएस की विभिन्न विशेषताओं की गणना करते हैं जो सीधे एफएसआई को संबोधित करती हैं। • पीडीएस को मजबूत करने में हरित क्रांति के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं।

नोट:

- **उपरोक्त पाठ्यविषय 31 जनवरी 2024 तक पूर्ण करवा लिया जाना चाहिए।**
- **वार्षिक परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति।**
- **वार्षिक परीक्षा में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**

वार्षिक परीक्षा 2024

मानचित्र कार्यों की सूची कक्षा IX (2023-24)

विषय – इतिहास (2 अंक)

अध्याय-1: फ्रांसीसी क्रांति

फ्रांस के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को पहचानिए/ चिह्नित कीजिए/ नाम लिखिए:

- बोर्डो
- नैन्ते
- पेरिस
- मार्सिले

अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति

विश्व के रेखा मानचित्र निम्नलिखित स्थानों को पहचानिए/ चिह्नित कीजिए:

प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश

- **केंद्रीय शक्तियाँ** - जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, तुर्की (ओटोमन साम्राज्य)
- **मित्र शक्तियाँ** - फ्रांस, इंग्लैंड, रूस और यू.एस.ए.

विषय – भूगोल (3 अंक)

अध्याय -1: भारत-आकार और स्थान

- भारत के प्रमुख राज्य एवं उनकी राजधानियाँ, कर्क रेखा,
- मानक मध्याह्न (स्थान और लेबलिंग)
- पड़ोसी देश

अध्याय -2: भारत की भौतिक विशेषताएं

पर्वत श्रृंखलाएं: काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, पश्चिमी और पूर्वी घाट
पर्वत चोटियाँ: K2, कंचनजंगा, अनाईमुदी
पठार: दक्कन का पठार, छोटा नागपुर का पठार, मालवा का पठार
तटीय मैदान: कोंकण, मालाबार, कोरोमंडल और उत्तरी सरकार (स्थान और लेबलिंग)

अध्याय -3: अपवाह

नदियाँ: (केवल पहचान)

- **हिमालय नदी प्रणाली:** सिंधु, गंगा और सतलुज
- **प्रायद्वीपीय नदियाँ:** नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी
- **झीलें:** वुलर, पुलिकट, सांभर, चिल्का

अध्याय - 4: जलवायु

- भारत में वार्षिक वर्षा, मानसून हवा की दिशा

अध्याय - 6: जनसंख्या

- सभी राज्यों का जनसंख्या घनत्व।
- सबसे अधिक और सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

CLASS IX 2023-2024
Weightage to Type of Questions

Sr. No.	Types of Questions	Marks (80)	Percentage
1	**1 Mark MCQs (20x1)** (Inclusive Of Assertion, Reason, Differentiation &Stem)	**20**	**25%**
2	**2 Marks Narrative Questions (4x2)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis,Evaluation,Synthesis & Create)	**8**	**10%**
3	**3 Marks Narrative Questions (5x3)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**15**	**18.75%**
4	**4 MARKS Case Study Questions (3x4)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**12**	**15%**
5	**5. Mark Narrative Questions (4x5)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**20**	**25%**
6	**Map Skills**	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

Weightage to Competency Levels

Sr. No.	Competencies	Marks (80)	Percentage
1	Remembering and Understanding: Exhibiting memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers; Demonstrating understanding of facts and ideas by organizing, translating, interpreting, giving descriptions and stating main ideas.	**24**	**30%**
2	Applying: Solving problems to new situations by applying acquiredknowledge, facts, techniques and rules in a different way.	**11**	**13.25%**
3	Formulating, Analysing, Evaluating and Creating: Examining and breaking information into parts by identifying motives or causes; Making inferences and finding evidence to support generalizations; Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work basedon a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	**40**	**50%**
4	Map Skill	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

अनुलग्नक- I

परियोजना कार्य: कक्षा IX

प्रत्येक छात्र को **आपदा प्रबंधन** पर एक परियोजना अनिवार्य रूप से करनी है। **उद्देश्यः** विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन पर परियोजना कार्य देने के मुख्य उद्देश्य हैं: • उनमें विभिन्न आपदाओं, उनके परिणामों और प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करना। • उन्हें ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए पहले से तैयार करना। • आपदा न्यूनीकरण योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना। • उन्हें समुदाय के बीच जागरूकता और तैयारी पैदा करने में सक्षम बनाना। • परियोजना कार्य द्वारा छात्रों के जीवन कौशल को बढ़ाने में भी मदद करना। • यदि संभव हो तो कला के विभिन्न रूपों को परियोजना कार्य में एकीकृत किया जा सकता है।	छात्रों को निम्नलिखित दक्षताओं को विकसित करने की आवश्यकता है: • सहयोग • विश्लेषणात्मक कौशल का प्रयोग करें • आपदाओं के दौरान स्थितियों का मूल्यांकन करें। • सूचना का संश्लेषण करें • रचनात्मक समाधान खोजें • समाधान के क्रम में रणनीतियाँ • सही संचार कौशल का प्रयोग करें

दिशानिर्देश:

अपेक्षित उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए प्रधानाध्यापकों/शिक्षकों को विभिन्न स्थानीय प्राधिकरणों और संगठनों जैसे- आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, राहत, पुनर्वास और राज्यों के आपदा प्रबंधन विभागों, जिला मजिस्ट्रेट/ उपायुक्त कार्यालय, अग्निशमन सेवा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा आदि से समर्थन जुटाना आवश्यक होगा जो विद्यालय के क्षेत्र में स्थित हैं।

1) छात्रों द्वारा किए गए प्रोजेक्ट को बाद में परस्पर संवादात्मक सत्रों जैसे प्रदर्शनियों, पैनल चर्चाओं आदि के माध्यम से आपस में साझा किया जाना चाहिए।

परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न रूब्रिकों पर अंकों का वितरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	आयाम	अंक
a.	सामग्री की सटीकता, मौलिकता और सहयोगी कौशल	2
b.	दक्षताओं का प्रदर्शन और प्रस्तुति	2
c.	मौखिक परीक्षा	1

2) इस गतिविधि के तहत मूल्यांकन से संबंधित सभी दस्तावेजों को स्कूलों द्वारा सावधानीपूर्वक बनाए रखा जाना चाहिए।

3) एक सारांश रिपोर्ट तैयार किया जाना चाहिए जिसमें निम्न शामिल हों:

- व्यक्तिगत कार्य और सामूहिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किए गए उद्देश्य;
- गतिविधियों का कैलेंडर;
- प्रक्रिया में उत्पन्न नवीन विचार;
- मौखिक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की सूची।

4) यहां सभी शिक्षकों और छात्रों द्वारा यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि तैयार किए गए प्रोजेक्ट और मॉडल बिना ज्यादा खर्च एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों से बनाए जाने चाहिए।

5) प्रोजेक्ट रिपोर्ट हस्तलिखित या डिजिटल हो सकती है।

6) परियोजना कार्य को शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें आत्म-मूल्यांकन/ सहपाठी मूल्यांकन/ परियोजना-आधारित/ पूछताछ-आधारित शिक्षा में बच्चे की प्रगति/ कला एकीकृत गतिविधियाँ/ प्रयोग/ मॉडल/ क्विज़/ रोल प्ले/ समूह कार्य/ पोर्टफोलियो आदि शामिल होंगे, साथ ही शिक्षक मूल्यांकन भी शामिल होगा। (एनईपी-2020)

7) परियोजना कार्य पावर प्वाइंट प्रस्तुति/प्रदर्शनी/स्किट/एल्बम/फाइल/गीत और नृत्य या सांस्कृतिक शो/कहानी सुनाने/वाद-विवाद/पैनल चर्चा, पेपर प्रस्तुति और जो भी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त हो, के रूप में पूर्ण किया जा सकता है।

8) सत्यापन के लिए परियोजना कार्य (आंतरिक मूल्यांकन) का रिकॉर्ड तीन महीने की अवधि के लिए रखा जाना चाहिए (यदि कोई हो)।

अनुलग्नक –II

अंतर्विषयी परियोजना कार्य कक्षा-IX

विषय एवं अध्याय सं.	अध्याय का नाम	विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम	पूरा करने के लिए समय अनुसूची
भारत एवं समकालीन विश्व –II: अध्याय 4	वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद	• औपनिवेशिक शासन के दौरान विभिन्न प्रकार के वनों को वर्गीकृत कर सकेंगे। • औपनिवेशिक शासन के तहत वनवासियों की दुर्दशा को सामने ला सकेंगे। • वाणिज्यिक वानिकी के पीछे के कारणों का विश्लेषण कर सकेंगे। • भारत में वनस्पति और वन्य जीवन की रक्षा के लिए सुझाव दे सकेंगे। • वन आवरण की रक्षा में सरकार और स्थानीय समुदायों की भूमिका का बचाव कर सकेंगे। • विशिष्ट विद्रोहों के अध्ययनों के माध्यम से वन समुदायों की सामाजिक और सांस्कृतिक विश्व पर चर्चा कर सकेंगे। • उन विभिन्न प्रक्रियाओं का विश्लेषण कर सकेंगे जिनके माध्यम से आधुनिक विश्व में कृषि-संबंधी क्षेत्रों में परिवर्तन हो सकते हैं। • आदिवासी विद्रोहों का पता लगाने के लिए मौखिक परंपराओं के उपयोग को समझ सकेंगे।	**अंतर्विषयी परियोजना** • शिक्षक अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करने में छात्रों की सुविधा के लिए विभिन्न शिक्षण-शास्त्रीय गतिविधियों का उपयोग कर सकते हैं। **संरचनात्मक शिक्षण शास्त्रीय उपागम:** • पूछताछ आधारित • सहकारी शिक्षा • अनुसंधान आधारित • अनुभव आधारित • कला समेकित **बहुआयामी आकलन:** उदहारण: सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ अनुसंधान कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला समेकन/ क्विज़/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ साक्षात्कार/ समूह-चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी-वॉक/ एग्जिट कार्ड/ माइंड मैप/ सहपाठी मूल्याँकन/ मौखिक परीक्षा/ स्व-मूल्याँकन/ प्रौद्योगिकी का समावेशन आदि।	• पूर्व-औपनिवेशिक, औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक काल में प्रचलित वन स्थितियों की तुलना करते हैं। • विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों में व्यावसायिक वानिकी के विकास एवं उनकी भूमिका का विश्लेषण और मूल्यांकन करते हैं। • जावा के संदर्भ में दक्षिण पूर्व-एशिया के वन क्षेत्रों में विद्रोह के कारणों का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हैं।	• अध्यापक/ अध्यापिका के मार्गदर्शन में विद्यालय में अप्रैल और सितंबर के महीने के बीच अंतर्विषयी परियोजना पूर्ण करना है। (परियोजना कार्य को गृह कार्य के रूप में देने से पूरी तरह से बचना है।)
समकालीन भारत-II: अध्याय 5	प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन				

अंतर्विषयी परियोजना के लिए दिशानिर्देश:
● इसमें दो या अधिक विषयों को एक गतिविधि में अधिक सुसंगत और एकीकृत से जोड़ना शामिल है। आम तौर पर मान्यता प्राप्त विषय- अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान हैं, एक नमूना योजना संलग्न की गई है। कृपया नीचे दिए गए लिंक पर पहुंचें:

https://docs.google.com/document/d/1668TKkRt80r4-kbjJ_Y7zg4mF3Vq1Y9k/edit

अथवा

निर्देश:

स्थानीय सन्दर्भों पर विचार करते हुए उद्देश्यों और परिणामों को तर्क-आधारित और विशिष्ट उद्देश्यों से चुनने की आवश्यकता है।

परियोजना की योजना: नीचे एक 10 दिनों की सुझावात्मक योजना दी गई है जिसका पालन किया जा सकता है या आप नीचे दिए गए प्रारूप के आधार पर स्वयं बना सकते हैं।

प्रक्रिया:

- छात्रों के बीच प्रारंभिक सहयोग द्वारा उनकी भूमिकाओं, एकीकरण के क्षेत्रों, और विश्लेषण के क्षेत्र की व्यवस्था करना

टीम लीडर: मुख्य सहयोगी
टीम के सदस्य:
नोट: शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं के अनुसार भूमिकाएँ आवंटित करें।

- दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार 10-दिन की योजना जमा करना।
- मूल्यांकन योजना: रूब्रिक/आयामों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए शिक्षक द्वारा किया जाना है।
- नीचे दिए गए टेम्पलेट के अनुसार रिपोर्ट, पोस्टर और छोटे वीडियो, स्वविचारों का प्रस्तुतीकरण और आभार की अभिव्यक्ति।

कक्षा IX	अंतर्विषयी परियोजना	10 दिनों का सुझावात्मक योजना	10 कालांश

दिन 1-2: "उपनिवेशवाद और वन समाज"

वन समाजों पर उपनिवेशवाद के प्रभावों की चर्चा कीजिए एवं औपनिवेशिक काल में संसाधन के रूप में वन की अवधारणा का अन्वेषण कीजिए।

समूह परियोजना: औपनिवेशिक वन नीति एवं वन्य समाजों पर इसके प्रभाव पर अनुसंधान कीजिए और एक पीपीटी द्वारा प्रस्तुत कीजिए।

दिन 3-4: "जंगल में विद्रोह"

इतिहास में वन आधारित विद्रोहों के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण कीजिए। निम्न फिल्म देखिए। अपने राज्य की वन जनजातियों और उनके द्वारा सामना किए जाने वाले शोषण के बारे में समूह चर्चा कीजिए। रूब्रिक के लिए अनुबंध VI देखें।

https://www.youtube.com/watch?v=N6SR0REa_YA

अथवा

दिन 5-6: जावा में वन परिवर्तन, उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

जावा में वनों पर मानव गतिविधि के प्रभाव की जाँच कीजिए।

अन्वेषण कीजिएकि भूमि उपयोग, कृषि और उद्योग में परिवर्तन ने वनों को किस प्रकार प्रभावित किया है। विद्यार्थी जावा में वनों में परिवर्तन के इतिहास और पर्यावरण पर उनके प्रभाव पर शोध कर सकते हैं।

पूर्व-औपनिवेशिक काल से उत्तर-औपनिवेशिक काल तक, जावा में वनों के परिवर्तन का अध्ययन कीजिए।

वनों को कृषि भूमि में परिवर्तन की आवश्यकताओं का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

समूह चर्चा के माध्यम से समाधान ढूँढने का प्रयास कीजिए एवं इसे एक कला समेकित परियोजना द्वारा प्रस्तुत कीजिए।

उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए, जिसमें उनकी जलवायु, मिट्टी और वनस्पति/जंतु शामिल हैं। विद्यार्थी उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों के विशिष्ट उदाहरणों और वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने जैसे विषयों पर शोध कर सकते हैं।

समूह परियोजना: लिंक के माध्यम से वीडियो देखें: https://www.youtube.com/watch?v=Ml0xvHsBigI

अथवा

वनों के परिवर्तनों का जावा के समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण कीजिए एवं उन्हें प्रस्तुत कीजिए। इन परिवर्तनों की तुलना भारतीय संदर्भ से कीजिए।

अपने अधिगामों को एक पीपीटी द्वारा प्रस्तुत कीजिए। रूब्रिक/आयामों के लिए अनुलग्नक VI देखें।

दिन 7-8: चर्चा कीजिए कि उपनिवेशवाद ने जंगल की जैव विविधता और जंगल में और उसके आसपास रहने वाले मूल निवासियों के अस्तित्व को कैसे प्रभावित किया है।

समूह गतिविधि: समूह को छोटी टीमों में विभाजित कीजिए और उन्हें विभिन्न प्रकार के वनों पर उपनिवेशवाद के प्रभाव की पहचान करने से संबंधित कार्य सौंपिए। उदाहरण के लिए, एक टीम जंगल की आग पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का शोध कर सकती है, जबकि दूसरी टीम स्वदेशी पौधों और जानवरों के अस्तित्व पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का शोध कर सकती है। विद्यार्थियों को अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए कार्टून पट्टियों का उपयोग करने को कहा जा सकता है।

दिन 9-10: छात्रों को 8 दिनों के काम के सभी निष्कर्षों को संकलित करने एवं पीपीटी द्वारा प्रस्तुत करने और अनुलग्नक V में दिए गए प्रारूप के माध्यम से तैयार कीजिए।

अनुलग्नक- V

छात्रों की प्रस्तुति हेतु नमूना प्रपत्र - कक्षा IX और X

विद्यार्थी का नाम:	
टीम का नाम:	
कक्षा एवं अनुभाग:	**जमा करने की तिथि:**
अंतर्विषयी परियोजना का उपविषय:	
परियोजना का शीर्षक:	
उद्देश्य:	
बहु आयामी आकलन: उदाहरण: सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ अनुसंधान कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला एकीकरण/ प्रश्नोत्तरी/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ मौखिक परीक्षा/ समूह चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी वॉक/ निकास कार्ड/ अवधारणा मानचित्र/ सहपाठी मूल्यांकन/ स्व-मूल्यांकन/ प्रौद्योगिकी का उपयोग आदि।	
साक्ष्य: तस्वीरें, साक्षात्कार के अंश, अवलोकन, वीडियो, अनुसंधान संदर्भ आदि।	
समग्र प्रस्तुतिः पीपीटी का लिंक, साझा दस्तावेज, स्कूल की सुविधा के अनुसार डिजिटल/हस्तलिखित हो सकते हैं	
आभार:	
संदर्भ (वेबसाइट, किताबें, समाचार पत्र आदि):	
प्रतिदर्शन/ रिफ्लेक्सन:	

अनुलग्नक VI	
रुब्रिक/ आयाम	**आवंटित अंक**
अनुसंधान कार्य	**1**
सहयोग और संचार	**1**
प्रस्तुति और सामग्री प्रासंगिकता	**1**
दक्षताएँ: • **रचनात्मकता** • **विश्लेषणात्मक कौशल** • **मूल्यांकन** • **संश्लेषण करना**	**2**
कुल अंक	**5**

नोट: स्कूल कई उप-रूब्रिक दे सकते हैं और अंकों का कुल मान 5 अंक कर सकते हैं।
उदाहरण: सहयोग:- टीमवर्क/ भाषा प्रवाह/ टीम में योगदान/ लचीलापन आदि
अनुसंधान कार्य: - परख / पढ़ना और समझना/ संकलन करना आदि
संश्लेषण: - डेटा संग्रह/ डेटा मिलान आदि।